

योग दिवस के लिए मंत्री महोदय के भाषण का मसौदा

प्रिय भाइयों बहनों आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभ कामनाएं। आप सब तो भाग्यशाली हैं ही में भी आज इस पावन धरा पर आकर धन्य हुआ । अमरकंटक में माँ नर्मदा का उद्भगम हुआ है और कितने ही संतो एवं ऋषि-मुनियों ने अमरकंटक में तपस्या एवं साधना कर अपने जीवन को धन्य किया है । माननीय **प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** के कुशल नेतृत्व में भारत की ख्याति पूरे विश्व में व्याप्त है और उसी कड़ी में माननीय **प्रधान मंत्री जी** की भावना के अनुरूप उन्ही के प्रयासों से आज योग दिवस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जा रहा है । आपको आश्चर्य होगा कि विश्व में जहां-जहां जितने बजे सूर्य उदय होगा उसी के अनुरूप पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जा रहा है यानी आज योग दिवस **प्रातः 3:00 बजे भारतीय समयानुसार से रात्रि 10:00 बजे तक लगभग 19 घंटे पूरे विश्व में मनाया जायेगा** । शायद ही ऐसा कोई दिवस हो जो पूरे विश्व में एक साथ और इतनी लम्बी अवधि तक मनाया गया हो । यह माननीय प्रधान मंत्री जी के प्रयासों का ही सुफल कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया और आज भारत का योग दिवस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जा रहा है । भारत की सोच **वसुधैव कुटुंबकम** की रही है जिसके अनुसार पूरा विश्व ही हमारा परिवार है और भारत की ही सोच **सर्वेभवंतु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया** की भावना से हम चाहते हैं की पूरा विश्व समुदाय सुखी हो और हमेशा निरोगी रहे । यह तभी संभव है जब हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करले ।

2. योग की परम्परा अत्यन्त प्राचीन है और इसकी उत्पत्ति हजारों वर्ष पहले हुई थी। ऐसा माना जाता है कि जब से सभ्यता शुरू हुई है तभी से योग किया जा रहा है। अर्थात् प्राचीनतम धर्मों या आस्थाओं (faiths) के जन्म लेने से काफी पहले योग का जन्म हो चुका था। योग विद्या में शिव को "आदि योगी" तथा "आदि गुरू" माना जाता है।

3. भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके पश्चात पतञ्जलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया।

4. योग से सम्बन्धित सबसे प्राचीन ऐतिहासिक साक्ष्य सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राप्त वस्तुएँ हैं जिनकी शारीरिक मुद्राएँ और आसन उस काल में योग के अस्तित्व के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। योग के इतिहास पर यदि हम दृष्टिपात करें तो इसके प्रारम्भ या अन्त का कोई प्रमाण नहीं मिलता, लेकिन योग का वर्णन सर्वप्रथम वेदों में मिलता है और वेद सबसे प्राचीन साहित्य माने जाते हैं। योग की शुरुआत भारत में हुई थी ।

5. हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि इस धार्मिक एवं पौराणिक नगरी अमरकंटक में जहाँ माँ नर्मदा का उद्भव हुआ और हजारों वर्षों से कितने ही महान संतो/गुरुओं/ऋषि-मुनियों ने इस पावन धरा पर तपस्या कर अपने आप को एवं इस धरा को धन्य किया उसी नगरी को आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मानाने के लिए चुना गया । जिस प्रकार माँ नर्मदा का इस नगरी से उद्भव हुआ है और यह गावें-गावें नगर-नगर को पुष्पित पल्लित करती हुई अपने स्वरूप का विस्तार कर रही है उसी प्रकार हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाएँ और इसे इतना विस्तार दें कि यह पूरे देश की आवश्यक दिनचर्या बन जाये और हम सभी स्वस्थ एवं निरोगी रहते हुए देश की प्रगति में भागीदार बनें। प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु रहा है और आज भी यह देश अपनी भूमिका को निभाते हुए पूरे विश्व समुदाय को स्वस्थ ,निरोगी एवं तनाव रहित रहे की दिशा की और आगे बढ़ने की प्रेरणा के साथ शांति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है ।

6. आप सभी को इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें एवं इस दिवस को सफल बनाने हेतु आपके प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद ।
